Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66



बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता निर्णय एवं मतदान व्यवहार: सामाजिक, राजनीतिक एवं विकासात्मक कारकों का एक अनुभवजन्य अध्ययन

प्रभात मिश्रा [1]*, डॉ. रेनू शरण [2], डॉ. सुधा शुक्ला [3]

[1] शोधार्थी, सामाजिक विज्ञान संकाय (राजनीति विज्ञान), डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड, कोटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

[2] सहायक प्राध्यापक, सामाजिक विज्ञान संकाय (राजनीति विज्ञान), डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड, कोटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

[3] सहायक प्राध्यापक एवं शाखा प्रमुख, सामाजिक विज्ञान संकाय (राजनीति विज्ञान), डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड, कोटा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ई-मेल: renusharan7@gmail.com

DOI: https://www.doi-ds.org/doilink/09.2025-88968269/JRLA/04202604

सारांश

भारत में चुनाव लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण आधारों में से एक हैं और मतदान नागरिकों की राजनीतिक सहभागिता का प्रमुख माध्यम है। मतदाता का निर्णय किसी एक कारक से निर्धारित नहीं होता, बल्कि सामाजिक पहचान, जाति, शिक्षा, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक दल, प्रत्याशी की छवि, स्थानीय विकास, सरकारी योजनाओं तथा शासन के प्रदर्शन जैसे अनेक कारकों की संयुक्त अंतःक्रिया से निर्मित होता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता निर्णय एवं मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले सामाजिक,

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

राजनीतिक एवं विकासात्मक कारकों का अनुभवजन्य अध्ययन करना है। अध्ययन में आंतर-अनुभागीय सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया है तथा कुल 400 उत्तरदाताओं को अध्ययन के लिए चयनित किया गया है। प्राथमिक आँकड़ों के संकलन हेतु संरचित प्रश्नावली तथा द्वितीयक आँकड़ों के लिए निर्वाचन आयोग की रिपोर्टों, पुस्तकों, शोध-पत्रों एवं संबंधित अकादमिक साहित्य का उपयोग किया गया है।

अध्ययन का सैद्धांतिक आधार समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक एवं तर्कसंगत चयन दृष्टिकोण पर आधारित है। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में मतदान व्यवहार को समझने के लिए सामाजिक पहचान के साथ-साथ प्रत्याशी की स्वीकार्यता, राजनीतिक दल की विश्वसनीयता, स्थानीय विकास, सरकारी योजनाओं का प्रभाव, राजनीतिक जागरूकता तथा शासन के प्रदर्शन को महत्वपूर्ण आयामों के रूप में देखा गया है। अध्ययन का प्रमुख तर्क है कि वर्तमान समय में मतदाता का निर्णय केवल जाति अथवा पारंपरिक सामाजिक पहचान पर आधारित नहीं है, बल्कि वह विभिन्न राजनीतिक एवं विकासात्मक मुद्दों का मूल्यांकन भी करता है। इस प्रकार बेलतरा के मतदाता व्यवहार का अध्ययन पारंपरिक सामाजिक निर्धारकों और आधुनिक राजनीतिक प्राथमिकताओं के बीच अंतर्संबंध को समझने में महत्वपूर्ण है।

कुंजी शब्द: मतदाता निर्णय, मतदान व्यवहार, बेलतरा, विधानसभा चुनाव, राजनीतिक सहभागिता, सामाजिक पहचान, प्रत्याशी, राजनीतिक दल, विकास, राजनीतिक जागरूकता।

1. प्रस्तावना

लोकतंत्र में नागरिकों की राजनीतिक सहभागिता शासन की वैधता और प्रतिनिधित्व का आधार होती है। मतदान नागरिकों को राजनीतिक व्यवस्था में अपनी पसंद व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। चुनाव के माध्यम से मतदाता न केवल अपने प्रतिनिधि का चयन करता है, बल्कि सरकार की नीतियों, कार्यप्रणाली और उपलब्धियों का मूल्यांकन भी करता है। इसलिए मतदान व्यवहार का अध्ययन राजनीतिक विज्ञान में एक महत्वपूर्ण शोध क्षेत्र है। मतदान व्यवहार से आशय उस प्रक्रिया से है जिसके माध्यम से मतदाता उपलब्ध राजनीतिक विकल्पों में से किसी दल अथवा प्रत्याशी का चयन करता है। यह चयन व्यक्तिगत पसंद का परिणाम होते हुए भी व्यापक सामाजिक और राजनीतिक संरचनाओं से प्रभावित होता है। जाति, धर्म, वर्ग, शिक्षा, आय, व्यवसाय, परिवार, स्थानीय समुदाय, राजनीतिक दल, नेतृत्व, चुनावी मुद्दे और विकास जैसे तत्व मतदाता के निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं।

भारतीय संदर्भ में मतदान व्यवहार की प्रकृति विशेष रूप से जटिल है। भारतीय समाज में विविध सामाजिक समूहों की उपस्थिति के कारण जाति, समुदाय और सामाजिक पहचान लंबे समय से राजनीतिक

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

लामबंदी के महत्वपूर्ण आधार रहे हैं। किंतु आर्थिक विकास, शिक्षा के विस्तार, संचार माध्यमों की वृद्धि, कल्याणकारी योजनाओं तथा राजनीतिक जागरूकता के विस्तार ने मतदाता के निर्णय को अधिक बहुआयामी बनाया है। विधानसभा चुनावों में स्थानीय मुद्दों का महत्व विशेष रूप से बढ़ जाता है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, स्थानीय अधोसंरचना और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन मतदाता के राजनीतिक मूल्यांकन का आधार बन सकता है। साथ ही प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि और क्षेत्र में उसकी उपलब्धता भी मतदाता निर्णय को प्रभावित कर सकती है।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र इस दृष्टि से अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है। 2023 के विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र में 2,48,729 निर्वाचक थे तथा 1,64,758 मत पड़े। उपलब्ध निर्वाचन आँकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत 66.24 प्रतिशत रहा। 2023 के चुनाव में भाजपा के सुशांत शुक्ला को 79,528 मत प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस के विजय केशरवानी को 62,565 मत मिले। यह परिणाम क्षेत्र में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है।

इसी चुनावी परिप्रेक्ष्य में यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि बेलतरा के मतदाता अपने मतदान संबंधी निर्णय किस प्रकार लेते हैं और उनके निर्णय को सामाजिक, राजनीतिक तथा विकासात्मक कारक किस सीमा तक प्रभावित करते हैं।

2. अध्ययन की समस्या

मतदान व्यवहार का पारंपरिक अध्ययन अक्सर जाति, धर्म और राजनीतिक दल के आधार पर मतदाता की पसंद को समझने का प्रयास करता रहा है। किंतु वर्तमान समय में मतदाता की प्राथमिकताएँ बदल रही हैं। विकास, सरकारी योजनाएँ, रोजगार, स्थानीय समस्याएँ, प्रत्याशी की छवि तथा शासन के प्रदर्शन जैसे मुद्दे भी राजनीतिक निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने लगे हैं।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक समूहों की उपस्थिति तथा ग्रामीण-शहरी सामाजिक संरचना मतदान व्यवहार को बहुआयामी बनाती है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि मतदाता का निर्णय किन प्रमुख कारकों से प्रभावित होता है। अध्ययन की मूल समस्या इस प्रश्न के रूप में प्रस्तुत की जा सकती है—

“बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता के चुनावी निर्णय को सामाजिक, राजनीतिक एवं विकासात्मक कारक किस प्रकार प्रभावित करते हैं?”

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

3. अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य हैं—

1. बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं की सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।
2. मतदाता निर्णय को प्रभावित करने वाले प्रमुख सामाजिक कारकों की पहचान करना।
3. राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के प्रभाव का अध्ययन करना।
4. स्थानीय विकास संबंधी मुद्दों की मतदाता प्राथमिकताओं में भूमिका का विश्लेषण करना।
5. सरकारी योजनाओं एवं शासन के प्रदर्शन के प्रति मतदाताओं की धारणा का अध्ययन करना।
6. राजनीतिक जागरूकता और मतदान निर्णय के बीच संबंध का परीक्षण करना।
7. शिक्षा, आय, व्यवसाय एवं सामाजिक पृष्ठभूमि तथा मतदान व्यवहार के बीच संबंध का अध्ययन करना।
8. बेलतरा में पारंपरिक और समकालीन मतदान निर्धारकों की तुलनात्मक भूमिका का विश्लेषण करना।

4. शोध परिकल्पनाएँ

H_1: मतदाताओं की सामाजिक पृष्ठभूमि और उनके मतदान निर्णय के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_2: राजनीतिक जागरूकता का स्तर मतदाता के चुनावी निर्णय को प्रभावित करता है।

H_3: प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि मतदान निर्णय का महत्वपूर्ण निर्धारक है।

H_4: स्थानीय विकास के प्रति मतदाता की धारणा उसके मतदान निर्णय को प्रभावित करती है।

H_5: सरकारी योजनाओं से प्राप्त लाभ और राजनीतिक पसंद के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

H_6: शिक्षा एवं आर्थिक स्थिति में अंतर मतदाताओं की चुनावी प्राथमिकताओं में अंतर उत्पन्न करता है।

5. साहित्य समीक्षा

भारतीय मतदान व्यवहार के अध्ययन में सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। Kothari

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

(1970) ने भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका को राजनीतिक प्रक्रिया के महत्वपूर्ण आयाम के रूप में प्रस्तुत किया। भारतीय समाज में जातीय पहचान राजनीतिक लामबंदी और प्रतिनिधित्व के लिए महत्वपूर्ण आधार बन सकती है।

Akhter (2014) के अनुसार भारत में मतदान व्यवहार को समझने के लिए सामाजिक, राजनीतिक एवं मनोवैज्ञानिक कारकों को साथ लेकर चलना आवश्यक है। केवल जाति या धर्म के आधार पर मतदाता व्यवहार की व्याख्या करना पर्याप्त नहीं है।

Palshikar और Mishra (2023) ने जाति और वर्ग के संदर्भ में भारतीय मतदाता व्यवहार का अध्ययन करते हुए यह स्पष्ट किया कि सामाजिक पृष्ठभूमि और आर्थिक स्थिति का चुनावी व्यवहार पर संयुक्त प्रभाव हो सकता है। इससे यह संकेत मिलता है कि मतदाता की राजनीतिक पसंद सामाजिक संरचना से जुड़ी होने के बावजूद बहुस्तरीय होती है।

Suri (2019) ने भारतीय मतदाता में सामाजिक परिवर्तन तथा राजनीतिक प्राथमिकताओं के परिवर्तन का अध्ययन किया। उनके अध्ययन से संकेत मिलता है कि भारतीय चुनावों में मतदाता की राजनीतिक पसंद समय के साथ नए मुद्दों और राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित होती रही है।

समकालीन चुनावों में नेतृत्व, राजनीतिक संचार, मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। राजनीतिक दल अब केवल पारंपरिक चुनावी प्रचार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग करके मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास करते हैं।इससे स्पष्ट होता है कि मतदान व्यवहार को समझने के लिए बहु-कारकीय दृष्टिकोण अधिक उपयुक्त है। प्रस्तुत अध्ययन इसी दृष्टिकोण को बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में लागू करता है।

6. सैद्धांतिक आधार

प्रस्तुत अध्ययन तीन प्रमुख सैद्धांतिक दृष्टिकोणों पर आधारित है।

6.1 समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

इस दृष्टिकोण में जाति, वर्ग, समुदाय, परिवार, सामाजिक नेटवर्क और क्षेत्रीय पहचान को मतदान व्यवहार के प्रमुख निर्धारक माना जाता है।

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

6.2 मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

इसमें मतदाता की राजनीतिक दल के प्रति निष्ठा, प्रत्याशी की छवि, नेतृत्व के प्रति विश्वास तथा राजनीतिक अभिवृत्ति को महत्व दिया जाता है।

6.3 तर्कसंगत चयन दृष्टिकोण

इस दृष्टिकोण के अनुसार मतदाता उपलब्ध राजनीतिक विकल्पों का मूल्यांकन अपने हितों और अपेक्षाओं के आधार पर करता है। विकास, रोजगार, सरकारी योजनाएँ, महँगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इसमें महत्वपूर्ण हैं। बेलतरा के संदर्भ में इन तीनों दृष्टिकोणों को एकीकृत करके मतदान व्यवहार की अधिक व्यापक व्याख्या की जा सकती है।

7. अनुसंधान पद्धति

7.1 अनुसंधान डिजाइन

अध्ययन में **वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक आंतर-अनुभागीय सर्वेक्षण पद्धति** का प्रयोग किया गया है।

7.2 अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र **बेलतरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़** है।

7.3 नमूना

अध्ययन के लिए कुल **400 उत्तरदाताओं** का चयन किया गया है। नमूना चयन में विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक समूहों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है।

7.4 प्राथमिक आँकड़े

प्राथमिक आँकड़े संरचित प्रश्नावली के माध्यम से प्राप्त किए गए हैं। प्रश्नावली में उत्तरदाताओं की सामाजिक पृष्ठभूमि, राजनीतिक जागरूकता, मतदान की प्राथमिकता, प्रत्याशी की छवि, राजनीतिक दल,

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

विकास, सरकारी योजनाओं तथा स्थानीय मुद्दों से संबंधित प्रश्न शामिल किए गए हैं।

7.5 द्वितीयक आँकड़े

द्वितीयक आँकड़ों के लिए निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट, छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव संबंधी दस्तावेज, शोध-पत्र, पुस्तकें एवं अन्य विश्वसनीय अकादमिक स्रोतों का उपयोग किया गया है।

7.6 आँकड़ा विश्लेषण

आँकड़ों के विश्लेषण के लिए आवृत्ति, प्रतिशत, क्रॉस-टैबुलेशन तथा आवश्यकतानुसार Chi-square परीक्षण का प्रयोग किया जा सकता है।

8. बेलतरा का चुनावी परिदृश्य

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में पिछले चुनावों में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। 2023 के विधानसभा चुनाव में 2,48,729 निर्वाचक दर्ज थे तथा कुल 1,64,758 मत पड़े। मतदान प्रतिशत 66.24 प्रतिशत रहा। 2023 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुशांत शुक्ला को 79,528 मत तथा कांग्रेस प्रत्याशी विजय केशरवानी को 62,565 मत प्राप्त हुए। इससे यह स्पष्ट होता है कि मतदाताओं के बीच प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रति पर्याप्त समर्थन मौजूद था। यह चुनावी परिदृश्य बेलतरा के मतदान व्यवहार के अध्ययन को महत्वपूर्ण बनाता है क्योंकि मतदाता विभिन्न राजनीतिक विकल्पों में से अपने प्रतिनिधि का चयन करते हैं।

9. मतदाता निर्णय के प्रमुख आयाम

9.1 सामाजिक पहचान

जाति और सामाजिक पहचान भारतीय चुनावी राजनीति में अभी भी महत्वपूर्ण हैं। सामाजिक समूह मतदाता के राजनीतिक संपर्क, उम्मीदवार की स्वीकार्यता और चुनावी लामबंदी को प्रभावित कर सकते हैं।

हालाँकि वर्तमान समय में सामाजिक पहचान अकेला निर्धारक नहीं है। मतदाता सामाजिक पहचान के साथ विकास, नेतृत्व और प्रत्याशी के प्रदर्शन को भी महत्व दे सकता है।

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

9.2 प्रत्याशी की छवि

विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि महत्वपूर्ण हो सकती है। ईमानदारी, व्यवहार, उपलब्धता, स्थानीय समस्याओं की जानकारी और जनता से संपर्क उम्मीदवार के प्रति मतदाता के विश्वास को प्रभावित कर सकते हैं।

9.3 राजनीतिक दल

राजनीतिक दल की विचारधारा, संगठन, घोषणापत्र, नेतृत्व और पिछले शासन का प्रदर्शन मतदाता की पसंद को प्रभावित कर सकता है।

9.4 स्थानीय विकास

स्थानीय विकास मतदान निर्णय का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित अनुभव मतदाता के राजनीतिक मूल्यांकन को प्रभावित करते हैं।

9.5 सरकारी योजनाएँ

सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मतदाता के राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकता है। आवास, खाद्य सुरक्षा, पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा तथा अन्य कल्याणकारी योजनाएँ मतदाता के अनुभव का हिस्सा बनती हैं।

9.6 राजनीतिक जागरूकता

राजनीतिक जागरूक मतदाता चुनावी घोषणाओं, प्रत्याशियों, सरकार के प्रदर्शन तथा स्थानीय मुद्दों की तुलना करने में अधिक सक्षम हो सकता है।

9.7 शिक्षा

शिक्षा राजनीतिक सूचना प्राप्त करने तथा विभिन्न राजनीतिक विकल्पों का मूल्यांकन करने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए शिक्षा और मतदान निर्णय के बीच संबंध का अनुभवजन्य

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

परीक्षण आवश्यक है।

9.8 आर्थिक स्थिति

आर्थिक स्थिति मतदाता की प्राथमिकताओं को प्रभावित करती है। बेरोजगारी, आय, रोजगार, महँगाई और आर्थिक सुरक्षा जैसे मुद्दे विभिन्न आय वर्गों के मतदाताओं के लिए अलग-अलग महत्व रख सकते हैं।

9.9 मीडिया एवं सोशल मीडिया

समाचार चैनल, समाचारपत्र, मोबाइल इंटरनेट और सोशल मीडिया राजनीतिक जानकारी के महत्वपूर्ण माध्यम बन चुके हैं। इनके माध्यम से मतदाता उम्मीदवार और दलों की नीतियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करता है।

10. अध्ययन के विश्लेषण के प्रमुख संकेतक

क्रमांक	आयाम	प्रमुख संकेतक
1	सामाजिक	जाति, समुदाय, परिवार
2	जनसांख्यिकीय	आयु, लिंग
3	आर्थिक	आय, व्यवसाय, रोजगार
4	शैक्षणिक	शिक्षा स्तर
5	राजनीतिक	दलगत पसंद
6	प्रत्याशी	छवि, ईमानदारी, उपलब्धता
7	विकास	सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य
8	शासन	सरकार का प्रदर्शन
9	कल्याण	सरकारी योजनाओं का लाभ
10	जागरूकता	राजनीतिक जानकारी
11	मीडिया	टीवी, समाचारपत्र, सोशल मीडिया
12	मतदान	मतदान का प्रमुख आधार

11. चर्चा

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता निर्णय को सामाजिक, राजनीतिक और विकासात्मक तीनों आयामों में समझना आवश्यक है। सामाजिक पहचान मतदाता के राजनीतिक व्यवहार के लिए एक आधार उपलब्ध करा सकती है, लेकिन चुनावी निर्णय में प्रत्याशी, दल और स्थानीय मुद्दों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है।

विशेष रूप से विधानसभा चुनावों में मतदाता अपने क्षेत्र के विकास और स्थानीय समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है। इसलिए सड़क, जल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे उसके निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। इसी प्रकार सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ भी मतदाता की राजनीतिक धारणा को प्रभावित कर सकता है। यदि नागरिक को किसी योजना से लाभ प्राप्त हुआ है और वह उस लाभ का श्रेय किसी विशेष सरकार अथवा राजनीतिक दल को देता है, तो यह चुनावी निर्णय में भूमिका निभा सकता है। दूसरी ओर, राजनीतिक जागरूकता मतदाता को विभिन्न राजनीतिक विकल्पों की तुलना करने की क्षमता प्रदान करती है। इसलिए आधुनिक मतदान व्यवहार में सामाजिक पहचान और राजनीतिक विवेक दोनों को साथ लेकर चलना आवश्यक है।

12. निष्कर्ष

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता निर्णय एक बहुआयामी राजनीतिक प्रक्रिया है। सामाजिक पहचान, जाति और समुदाय जैसे पारंपरिक कारकों के साथ-साथ प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि, राजनीतिक दल, स्थानीय विकास, सरकारी योजनाएँ, राजनीतिक जागरूकता और शासन के प्रदर्शन जैसे आधुनिक कारक भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

अध्ययन यह स्थापित करने का प्रयास करता है कि समकालीन मतदाता को केवल किसी विशेष जाति अथवा राजनीतिक दल के समर्थक के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। उसका निर्णय सामाजिक अनुभव, आर्थिक हित, राजनीतिक जानकारी और स्थानीय विकास के मूल्यांकन से निर्मित हो सकता है। बेलतरा के संदर्भ में मतदाता व्यवहार को समझने के लिए **"सामाजिक पहचान + राजनीतिक विकल्प + प्रत्याशी मूल्यांकन + विकास + शासन प्रदर्शन"** का संयुक्त मॉडल अधिक उपयोगी दिखाई देता है।400 उत्तरदाताओं पर आधारित प्राथमिक सर्वेक्षण के वास्तविक आँकड़ों के सांख्यिकीय परीक्षण से यह निर्धारित किया जा सकता है कि इनमें से कौन-से कारक वास्तव में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हैं। इस प्रकार अध्ययन स्थानीय चुनावी राजनीति तथा छत्तीसगढ़ में बदलते मतदान व्यवहार को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

13. सुझाव

1. निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों को स्थानीय मुद्दों से जोड़ा जाना चाहिए।
2. मतदाताओं को प्रत्याशी एवं दल की नीतियों की तुलनात्मक जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
3. राजनीतिक दलों को स्थानीय विकास संबंधी मुद्दों पर स्पष्ट और मापनीय योजनाएँ प्रस्तुत करनी चाहिए।
4. युवाओं में तथ्य-आधारित राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
5. सोशल मीडिया पर राजनीतिक गलत सूचना को रोकने के लिए नागरिक डिजिटल साक्षरता आवश्यक है।
6. चुनावी राजनीति में जातीय एवं सामुदायिक लामबंदी के साथ-साथ विकास और सार्वजनिक नीति पर विमर्श को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

14. अध्ययन की सीमाएँ

अध्ययन केवल बेलतरा विधानसभा क्षेत्र तक सीमित है। 400 उत्तरदाताओं का नमूना पूरे छत्तीसगढ़ के मतदाताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इसके अतिरिक्त, मतदान व्यवहार एक गतिशील प्रक्रिया है और राजनीतिक परिस्थितियों के परिवर्तन के साथ मतदाता की प्राथमिकताएँ भी बदल सकती हैं। उत्तरदाताओं द्वारा दिए गए उत्तरों पर व्यक्तिगत धारणा एवं सामाजिक वांछनीयता का प्रभाव भी संभव है। भविष्य में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का तुलनात्मक अध्ययन इस शोध के निष्कर्षों को अधिक व्यापक बना सकता है।

संदर्भ सूची

- Akhter, Z. (2014). Determinants of voting behaviour in India: Theoretical perspective. *Public Policy and Administration Research, 4*(8), 110–114.
- Kothari, R. (Ed.). (1970). *Caste in Indian politics*. Orient Longman.

Online ISSN: 3048-667X
CODEN (CAS, USA): JRLAB4
Impact Factor: 3.66

- Palshikar, S., & Deshpande, R. (2023). Introduction to the special section: The Indian voter. *Studies in Indian Politics, 11*(2), 205–207. https://doi.org/10.1177/23210230231205900
- Palshikar, S., & Mishra, J. (2023). Caste, class and vote: Consolidation of the privileged and dispersal of underprivileged. *Studies in Indian Politics, 11*(2), 258–273. https://doi.org/10.1177/23210230231203792
- Suri, K. C. (2019). Social change and the changing Indian voter: Consolidation of the BJP in India's 2019 Lok Sabha election. *Studies in Indian Politics, 7*(2), 234–246. https://doi.org/10.1177/2321023019874913
- Election Commission of India. (2023). *Statistical report: General election to the Legislative Assembly of Chhattisgarh, 2023*. Election Commission of India.
- Chief Electoral Officer, Chhattisgarh. (2018). *Index card: General election to the Legislative Assembly of Chhattisgarh, 2018*. Government of Chhattisgarh.